Dr. Seema Kumari
Asst. Prof. (Pol Sc), RMC, VKSU

Date - 14.01.2022

BA - I, Paper - 2, Comparative Politics

तुलनात्मक राजनीति के उपागम

व्यवस्था सिद्धांत -

किसी भी निरंतर एवं महत्वपूर्ण चलने वाली पहचान योग्य प्रक्रिया को व्यवस्था कहा जाता है। उसका कोई न कोई स्वभाविक अथवा मूर्त कृत्रिम प्रयोजन, उद्देश्य एवं लक्ष्य अवश्य होता है। यह मूर्त या अमूर्त, आनुभविक तथा परानुभविक एवं प्रेक्षणीय या वैचारिक हो सकता है। रेल व्यवस्था, शासन व्यवस्था मूर्त आनुभविक प्रेक्षणीय है वहीं नैतिक व्यवस्था अमूर्त परानुभविक एवं वैचारिक है। राज्यव्यवस्था एवं अर्थ व्यवस्था दोनों का मिश्रण है।

डेविड ईस्टन ने व्यवस्था के क्षेत्र संबंधी सृजनात्मक अवधारणा को 1953 में 'The Political System' में प्रस्तुत किया था। इन विचारों का उल्लेख अपनी दो पुस्तकों 'A framework for Political analysis' और 'A system Analysis of political life' में विस्तार से किया है। डेविड ईस्टन (1917 - 2014) के निवेश निर्गत विश्लेषण को अनेक नाम से भी जाना जाता है जैसे व्यवस्था सिद्धांत, सामान्य व्यवस्था का प्रवाह प्रारूप (flow model), अथवा प्रकार्यवादी उपागम का एक प्रकार भी कहा जाता है। यंग के अनुसार यह एक बड़ा एवं लोकप्रिय व्यवस्थात्मक उपागम है।

Scanned with CamScanner

ईस्टन के अनुसार राजनीतिक व्यवस्था सामान्यत: व्यवस्था की सीमाओं के पार, पर्यावरण से तथा परस्पर अंत:क्रियाओं करने वाली संरचनाओं प्रक्रियाओं तथा संस्थाओं का सेट है। यह समाज के मूल्यों का साधिकार विधान, समाज के लक्ष्यों की प्राप्ति तथा राजनीतिक माने जाने वाली कार्यों को निष्पादित करती है। यह राजव्यवस्थाओं के व्यवहारवादी विश्लेषण की ओर ध्यान आकर्षित करती है।

ईस्टन के व्यवस्था विश्लेषण की प्रमुख विशेषताएं :-

1. रा० व्यवस्था अंत:क्रियाओं का एक समुच्चय है जो सामाजिक व्यवहार की पूर्णता से निकाला गया है जिसके द्वारा किसी समाज के लिए मूल्य वितरित किए जाते हैं।
2. प्राकृतिक एवं सामाजिक व्यवस्थाओं में कतिपय सामान्य गुण अथवा धर्म हैं।
3. राजनीतिक व्यवस्था स्थिर न होकर गतिशील व्यवस्था है।
4. रा० व्यवस्था एक मुक्त व्यवस्था है जो पर्यावरण से प्रभावित होती रहती है। यह अपने पर्यावरण से चुनौती पाती है।
5. रा० दशा किसी भी दशा में संभव हो सकती है यदि निवेश और निर्गत में उचित संतुलन हो।
6. रा० व्यवस्था निर्णायक क्षेत्र (critical range) में रहती है।
7. रा० व्यवस्था के उद्देश्य रा० समुदाय शासन व्यवस्था और सत्ता है।
8. रा० व्यवस्था में उपव्यवस्थाएं निहित होती हैं।

→

Scanned with CamScanner